International Journal of Advanced Academic Studies 2022; 4(4): 48-49

E-ISSN: 2706-8927
P-ISSN: 2706-8919
www.allstudyjournal.com
IJAAS 2022; 4(4): 48-49
Received: 05-12-2022
Accepted: 07-12-2022

नीरज मीना
एम.फिल., राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत

Corresponding Author:
नीरज मीना
एम.फिल., राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत

जी–20 में भारत की बढ़ती भूमिका

नीरज मीना

सारांश
विश्व संगठन के महत्त्वपूर्ण देशों का समूह जी–20 है जो वर्तमान में काफी प्रासंगिक भूमिका में है। दुनिया की 75 प्रतिशत अर्थव्यवस्था जी–20 देशों से संचालित होती है। यह मध्यम आय वाले देशों की वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करता है। इसके अलावा भ्रष्टाचार विरोधी, राजकोषीय सुधार, विकास के मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करवाई है जिसके चलते ही हमारा देश पहली बार जी–20 की अध्यक्षता कर रहा है। भारत अब एक 'अगुवा राष्ट्र' की भूमिका निभाएगा। दुनिया में व्याप्त वर्तमान की चुनौतियों को निपटाने में भारतीय मॉडल अत्यन्त कारगर सिद्ध हो सकेगा, क्योंकि भारत आदिकाल से ही ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' के आदर्श को मानकर चलता आ रहा है। भारत स्वयं विकासशील देशों के हितों को सर्वोपरि रखकर कार्य करने में विश्वास करता है। विकसित देशों से समन्वय बनाकर ही विकासशील देशों को समृद्ध बनाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, मानवाधिकार, सहिष्णुता आदि विषयों पर भारतीय चिंतन से समाधान सम्पूर्ण विश्व हेतु लाभप्रद सिद्ध हो सकेगा। जी–20 में भारत अपनी शत प्रतिशत भागीदारी का निर्वहन करता रहा है।

कुटशब्दः विकास, नारी सशक्तिकरण, वसुधैव कुटुम्बकम्, प्रबन्धन, रणनीति

प्रस्तावना
जी–20 अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग हेतु मंच उपलब्ध करवाता है। प्रमुख आर्थिक विषयों पर व्यापक चर्चा करके उनका समाधान करता है। जी–20, 1999 में एशियाई आर्थिक संकट के बाद अस्तित्व में आया है। जी–20 समूह के देश विश्व जी.डी.पी. का 85 प्रतिशत भाग तथा वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत हिस्सा एवं दो–तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। संगठन का मूल उद्देश्य विश्व के वित्तीय मुद्दों पर सहयोग व परामर्श करना है। यह उत्तर–दक्षिण सहयोग का आधार है।

जी–20 के सदस्य राष्ट्र

(1) अर्जेन्टीना	(2) आस्ट्रेलिया	(3) ब्राजील
(4) कनाड़ा	(5) चीन	(6) फ्रांस
(7) जर्मनी	(8) भारत	(9) इण्डोनेशिया
(10) इटली	(11) जापान	(12) मेक्सिको
(13) कोरिया गणराज्य	(14) रूस	(15) सऊदी अरब
(16) दक्षिण अफ्रीका	(17) तुर्की	(18) ब्रिटेन
(19) संयुक्त राज्य अमेरिका	(20) यूरोपीय संघ	

सभी 20 देश विश्व की प्रमुखतम निर्णायक इकाई के रूप में कार्यरत हैं। शक्ति के केन्द्र के रूप में परस्पर भी नियंत्रित करते रहते हैं। विश्व की आर्थिक समस्याओं पर चर्चा करके नीतिगत निर्णय लेते हैं जिससे विकासशील देशों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संगठनात्मक ढाँचा
जी–20 के पास स्थायी सचिवालय, कर्मचारी नही है। संगठन की अध्यक्षता विभिन्न क्षेत्रीय राष्ट्रों में से की जाती है। भूतपूर्व, वर्तमान, भविष्य में अध्यक्षता करने वाले राष्ट्रों के गुट को ''ट्रोइका'' कहते हैं जो संगठन की रूपरेखा को तय करते हैं। जी–20 सम्मेलन में राष्ट्र की तरफ से ''शेरपा'' भागीदारी करते हैं, जो विकास, भ्रष्टाचार विरोधी, खाद्य सुरक्षा, आंतरिक नियमों, समझौतों को क्रियान्वित करते हैं। ''आर्थिक ट्रेक'' आर्थिक एवं वित्तीय मसलों पर कार्य करते हैं। मंत्री स्तरीय सम्मेलनों में विषय विशेष के मुद्दों पर परिचर्चा होती है। जी–20 का प्रथम शिखर सम्मेलन 2008 में यू.एस.ए. में किया गया। तब से लेकर वर्तमान तक 16 सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं। 17वाँ सम्मेलन भारत में 2023 में आयोजित किया जा रहा है।

भारत और जी–20

संगठन में भारत जैसे विकासशील देश ने अपनी सक्रियता से अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक–वित्तीय व्यवस्था को स्थिरता प्रदान की। भारत शुरूआत से ही संगठन में उचित भागीदारी निभाता रहा है। सभी सम्मेलनों में भारत के प्रधानमंत्री भाग लेते हैं। शिखर सम्मेलनों में भावी प्रगति को ध्यान में रखते हुए भारत का एजेण्डा अपने लक्ष्यों की पूर्ति करता है। भारत का मुख्य फोकस वैश्विक समुदाय द्वारा उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के विकास की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वित्तीय साधनों की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखना ही है। भारत जी–20 में आर्थिक विकास का हमेशा समर्थन करता रहा है। सदस्य राष्ट्रों की अतिरिक्त आय को विकासशील देशों के लिए व्यय किया जाना चाहिए। भारत जी–20 के विमर्श को विश्वसनीय, बहुआयामी एवं सशक्त करने हेतु प्रयासरत है। हमारा देश पहली बार विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली समूह जी–20 की अध्यक्षता कर रहा है। भारत ने 1 दिसम्बर 2022 को अध्यक्ष पद सम्भाला है। जी–20 में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो एक अगुवा राष्ट्र की भूमिका निभाएगा। वर्तमान की परिस्थितियों में देश की क्षमताओं को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर है। भारत का लक्ष्य विश्व को मौजूदा ध्रुवीकरण वाली अवस्था से दूर, बेहतर सद्भाव की ओर ले जाना होगा। भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा ने हमेशा विश्व को चुनौतियों से लड़ने की सीख दी है। अब अगले एक साल तक भारत के विभिन्न शहरों में अलग–अलग बैठके आयोजित की जाएगी। अध्यक्षता के दौरान भारत, इण्डोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका का गठन करेगें। यह पहली बार है जब ट्रोइका में तीन विकासशील देश शामिल हैं, जो उन्हें वैश्विक शक्तियों के मध्य बढ़त प्रदान करेगी। ट्रोइका जी–20 में शीर्ष समूह को संदर्भित करता है। भारत मध्यम आय वाले देशों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करेगा।

जी–20, 2023 की थीम – एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य प्रमुख मुद्दे

- वैश्विक अर्थव्यवस्था
- खाद्य सुरक्षा
- जलवायु परिवर्तन
- डिजिटल परिवर्तन
- स्वास्थ्य
- मानवाधिकार

प्राथमिकताऐं

- समावेशी, न्यायसंगत और सतत् विकास
- पर्यावरण जीवन
- महिला सशक्तिकरण
- सार्वजनिक अवसंरचना
- तकनीक सक्षम विकास
- ऊर्जा सुरक्षा
- बहुपक्षीय सुधार
- संस्कृति–पर्यटन

चुनौतियाँ

- यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का प्रभाव
- बढ़ती मुद्रास्फीति
- प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की मंदी
- बढ़ते भू–राजनीतिक मतभेद

निष्कर्ष

जी–20 में भारत को समावेशी विकास हेतु महंगाई नियंत्रण, स्थिर व्यापार, शांति–सुरक्षा आदि पर प्राथमिकता से ध्यान देना है। भारत के सुझाए वाक्य ''यह युग जंग का नहीं'' को G-20 Communique में जगह मिलना भारत की विदेश नीति की ताकत को दिखाता है। सम्पूर्ण विश्व भारत की भूमिका को उम्मीद की नजरों से देख रहा है। भारत जी–20 का नेतृत्व करने में पूरी तरह से सक्षम है। भारत की मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था, देश की अद्भुदता, विविधता, समावेशी परम्पराओं और सांस्कृतिक समृद्धि का पूरा अनुभव मिलेगा। भारत ने जी–20 के मंच का कूटनीतिक लाभ भी उठाया। जलवायु परिवर्तन, रूस–यूक्रेन युद्ध पर भारत के विचार का सभी राष्ट्र समर्थन कर रहे हैं। भारत विश्व के सभी नागरिकों तक डिजिटल पहुँच सुनिश्चित करना चाहता है। गरीबी के खिलाफ सभी को मिलकर लड़ना होगा। भारत विकास के लिए डेटा सिद्धान्त पर कार्य करेगा। जी–20 एजेण्डा में महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता देनी होगी। भारत जी–20 को नए विचारों की परिकल्पनाओं और सामूहिक एक्शन के लिए एक ग्लोबल प्राइम मूवर की तरह काम करेगा। जी–20 में भारत की बढ़ती भूमिका जिम्मेदारी भी ला रही है। भारत हमेशा से ही अपनी कर्त्तव्य पथ की भावना को सत्य सिद्ध करता रहा है। भारत के समक्ष कुछ चुनौतियाँ भी जरूर हैं, लेकिन हम अपनी पूर्ण क्षमताओं के साथ कार्य करने में विश्वास करते हैं। जी–20 में भारत शुरूआत से सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

संदर्भ

1. फडिया, बी.एल., अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, साहित्य भवन पब्लिकेशन, 2021
2. कौशिक, पी.डी., अंतर्राष्ट्रीय संबध, कल्याणी पब्लिशर्स, 2009
3. करंट अफेयर टुडे, दिसम्बर 2022
4. जनसत्ता

5- www.mea.gov.in

6- www.g20.org

7- www.pib.gov.in